अजमेर जिले में रा0 ग्रा0 रो0 गारन्टी स्कीम, राज0 का सफलता पूर्वक शुभारम्भ

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी कार्यक्रम अजमेर जिले में तृतीय चरण में प्रारम्भ हुआ है । तृतीय चरण में प्रारम्भ होने की अधिसूचना दिनांक 28 सितम्बर 2007 को प्रकाशित होने के प्रश्चात कार्यक्रम के अन्तर्गत निष्पादित किये जाने वाले कार्यो की पूर्व तैयारियों को समयबद्व कार्य योजना के अनुसार सम्पादित किया गया । यद्यपि राज्य स्तरीय गणंतत्र दिवस समारोह अजमेर आयोजित होने के कारण जिला प्रशासन व जिले के सभी अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण भी गणंतत्र दिवस की तैयारियों में अधिक व्यस्त रहा फिर भी नरेगा के समयबद्व कार्यक्रम को बिना बाधित हुए प्रचार–प्रसार व आमुखीकरण के कार्यक्रम आयोजित किय गये । योजना अन्तर्गत की गई तैयारियों का संक्षिप्त परिचय इस प्रकार है :–

- **जिले में अप्रेल के प्रथम पखवाडे में 1636 कार्यो पर 103087 श्रमिक नियोजित**
- **अप्रेल के दूसरे पखवाडे पर 2103 कार्यो पर 159149 श्रमिकों का नियोजन ।**
- **मई के प्रथम पखवाडे में 2310 कार्यो पर 184063 श्रमिक नियोजित।**
- **मई के दूसरे पखवाडे पर 2497 कार्यो पर 208391 श्रमिकों का नियोजन ।**
- **जून के प्रथम पक्ष में 2742 कार्यो पर 224773 श्रमिकों का नियोजन।**
- **जून के दूसरे पक्ष में 2583 कार्यो पर 209905 श्रमिकों का नियोजन।**
- **जुलाई के प्रथम पक्ष में 2217 कार्यो पर 144594 श्रमिकों का नियोजन।**
- **जिले के समस्त आबाद 1044 गॉवों में कार्य प्रारम्भ ।**
- **जिले में औसत मजदूरी की दर 96 रू प्रति श्रमिक प्रति दिन रही है।**
- **श्रमिकों के 5–5 के उप समूह बनाने से पूरी दर प्राप्त करने की स्वस्थ प्रतियोगिता प्रारम्भ ।**
- **कार्यो के पारदर्शी व सुचारू रूप से संचालन में प्रशिक्षित 6793 मेटो की अहम् भूमिका ।**

1.पूर्व तैयारी –

- रा0 ग्रा0 रो0 गा0 योजना अधिनियम का देश के शेष बचे सभी जिलो के ग्रामीण क्षेत्रो में दिनाक 1.4.2008 से लागू होने की सूचना प्राप्त होने के साथ ही अजमेर जिले मे योजना के कियान्वयन की तैयारिया प्रारम्भ कर दी गई ।
- योजना का कियान्वयन जिला परिषद व पंचायतराज संस्थाओं के द्वारा किया जाना प्रस्तावित था अतः पंचायतराज संस्थाओं में कार्यरत समस्त अधिकारियों,

जन प्रतिनिधियों एवं कार्मिकों की कार्यशाला आयोजित की जाकर योजना के मुख्य–मुख्य बिन्दूओं पर प्रस्तुतियॉ की गई ।

- सभी ग्रामवासियो, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों, कर्मचारियों को सम्पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला परिषद,अजमेर से प्रकाशित ग्रामीण भारत मासिक पत्रिका में जिला कलक्टर, जिला प्रमुख एवं अति0 जिला कार्यक्रम समन्वयक अजमेर द्वारा ग्रामीण भाईयों के नाम अपील जारी की एवं नागरिको के अधिकार का चार्टर, योजनान्तर्गत अनुमत कार्यो की सूचि,मेट के चयन की प्रकिया एवं भूमिका को प्रकाशित किया।
- इस प्रकाशन की 5000 प्रतियॉ जिले में आयोजित राज्य स्तरीय गणतंत्र समारोह के तहत दिनांक 23.12.07 को माननीय मुख्य मंत्री द्वारा जन सुनवाई के दौरान उपस्थित जन समूह,जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वितरित की गई।

2.जन जागरण :–

- योजना का प्रचार प्रसार आम आदमी में इतना प्रभावी रहा कि इस योजना की सफल कियान्वित सुनिश्चित हो गयी ।
- यहॉ तक की जन प्रतिनिधीगण एंव आम व्यक्ति उस दिन का इतंजार करने लग गये , जिस दिन योजना का वास्तविक कियान्वयन प्रारम्भ होना था ।
- योजना के प्रति जन आकर्षण इस बात से भी साबित होता है कि फरवरी माह में आ योजित पंजीयन शिविरो में सभी ग्रामवासियो न केवल उत्साह से भाग लेकर पंजीयन करवाया बल्कि जो परिवार रोजी रोटी हेतु जिले से पलायन कर अन्य राज्यो /जिलो में गये हुये थे ,वे भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उनके गॉवो में आयोजित होने वाले पंजीयन शिविरो में पंजीयन के दिन पंजीयन करवाने से नही चुके ।

3. सघन प्रशिक्षण :–

- कार्यक्रम लागू करने से पूर्व दिनांक 30.9.07 को जिला कार्यक्रम अधिकारी एंव अति0 जिला कार्यक्रम अधिकारी एंव मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद् का प्रशिक्षण इंदिरा गॉधी पंचायत राज0 जयपुर में आयोजित किया गया ।
- उक्त 1 दिवसीय प्रशिक्षण में प्रथम व तृतीय चरण में शामिल जिलो के जिला अधिकारीयो द्धारा प्रस्तुतीया देकर कार्यक्रम के सफल कियान्वन की रणनीति बताई गई ।
- जिले के 4 जिला स्तरीय प्रशिक्षको को दिनाक 1.1.2008 से 5.1.2008 तक इदिरा गॉधी पंचायती राज0 संस्थान जयपुर में प्रशिक्षण प्राप्त करवाने उपरान्त इनके माध्यम से अजमेर ,भीलवाडा एंवम् नागौर जिले के खण्ड स्तर के प्रशिक्षको का आवासीय प्रशिक्षण राजस्व अनुसंधान एंव प्रशिक्षण केन्द्र अजमेर में

जिला कार्यक्रम समन्वक एंव जिला कलक्टर अजमेर के निर्देशन में सम्पन्न करवाया ।

- इस प्रशिक्षण में तीनो जिलो के कुल 60 सम्भगीयो ने भाग लिया ।
- इस प्रशिक्षण के दौरान संम्भगीयो के माध्यम से योजना के प्रचार प्रसार करने हेतु ग्रामीण एंव सरल भाषा में नारे, कविताऐ एंव पम्पलेट्स आदि पर्याप्त मात्रा में तैयार करवाये गये जिनका उपयोग जिनका सार्थक उपयोग ग्रामो में योजना के प्रचार प्रसार में किया गया ।
- इन प्रशिक्षित जिला एवं खण्ड स्तरीय प्रशिक्षको द्वारा खण्ड एव ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण आयोजित कर ग्राम सेवक, सरपंचो, वार्ड पंचो एंव ग्रामवासीयो को योजना के प्रत्येक बिन्दुओ पर विस्तृत जानकारी दी गई ।
- इसी प्रकार दिनाक 15.1.2008 से 17.1.2008 तक जिला स्तर पर जिला परिषद् सदस्य, पंचायत समिति सदस्यो एंव प्रधानो का प्रशिक्षण आयोजित कर जन प्रतिनिधियो में योजना के प्रति जागृति लाते हुए योजना के सफल क्रियान्वयन में सहयोग का आव्हान किया गया ।

4. विस्तृत कार्य योजना :–

- ग्राम सभाओ में समस्त जन प्रतिनिधि एंव ग्रामवासियो ने उत्साह से भाग लेकर भावी पॅचवर्षीय योजना वर्ष 2008–09 हेतु कार्य योजना के लिए अपने प्रस्तावो को सम्मिलित करवाया ।
- वर्ष 2008–09 में रोजगार हेतु पंजीकृत परिवारो को 100 दिवसीय रोजगार उपलब्ध कराने की दृष्टि से कार्य योजना तैयार की गई जिसमें सामु0 विकास के 12089 कार्य तथा व्यक्तिगत लाभ के 3975 कार्य सम्मिलित किये गये ।
- अजमेर जिले में इस वर्ष राज्य स्तरीय गणत्रंण समारोह के आयोजन में सभी अधिकारियो की व्यस्तता को मध्य नजर रखते हुए पर्याप्त समय पूर्व ही दिनांक 12.12.2007 को सभी जिला स्तरीय अधिकारीयो , विकास अधिकारीयो, जिला स्तरीय एंव खण्ड स्तर के तकनीकी अधिकारीयो ,लेखाकर्मीयों का एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित कर योजना का पॉच वर्षीय पर्सपेक्टिव प्लान, एंव कार्य योजना तैयार करवाने सहित योजना की विस्तृत जानकारी दी गई ।
- इसी प्रकार माह दिसम्बर में ही खण्ड स्तर पर भी ब्लाक स्तर के प्रशिक्षण आयोजित किये गये एवम् ग्राम सभाऐ आयोजित कर कार्य योजना तैयार करवाई गयी ।

5 विकास कार्यो के मॉडल तकमीने :–

- योजना के प्रति ग्रामवासियो के अत्याधिक उत्साह को दृष्टिगत रखते हुए यह अनुमान लगाना आसान था कि योजना प्रारम्भ की तिथी से ही अधिकाश परिवार रोजगार की मांग करेगे ।

- इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए समय पर कार्यो की प्रशासनिक एंव वित्तिय स्वीकृतियॉ भी कार्यकारी अभिकरणो को उपलब्ध करवाया जाना आवश्यक थां ।
- ग्राम सभाओ में सम्मिलित किये गये प्रस्तावो ंके अनुसार कार्य योजना में सम्मिलित कार्यो के तकमीने व तकनीकी स्वीकृतियॉ योजना के अन्तर्गत अनुमत कार्यो को प्रारम्भ करने हेतु ऐसी रणनीति आवश्यक थी जिसमें तकनीकी अधिकारियो द्धारा अविलम्ब समस्त कार्यो की तकनीकी स्वीकृतियॉ प्रस्तुत की जा सके ।
- इस हेतु जिला परिषद् के अधिशाषी अभियन्ता (अभि0) द्वारा योजनान्तर्गत अनुमत 71 विभिन्न कार्यो ंके मॉडल तकमीने मय ड्राइग के कम्प्यूटराईज्ड प्रोग्रामिगं के तहत तैयार करवाये गये,जिनका अनुमोदन जिला स्तरीय दर निर्धारण समिति द्धारा भी किया गया ।
- इन कम्प्यूटराईजड माडॅल तकमीने एंव ड्राइग की सहायता से जिले के सभी विभागो के कनिष्ठ अभियन्ताओ को कार्यो के तकमीने शीघ्र तैयार करने में काफी मदद मिली ।

6. सॉफटवेयर का उपयोग :–

- इसी प्रकार एन0आई0सी0 के माध्यम से वित्तीय स्वीकृति जारी करने हेतु सोफ्ट वेयर तैयार किया गया ।
- इसी पूर्व तैयारी के कारण ही दिनाक 28.व 29 मार्च 2008 को 4548 कार्यो की 402.18 करोड रू0 की प्रशासनिक एंव वित्तीय स्वीकृति जारी किया जाना सम्भव हो सका।
- सॉफटवेयर प्रोग्राम सेजारी स्वीकृतियों में विभिन्न प्रकार की रिपोर्ट अविलम्ब और त्रुटिरहित तैयार हो जाती है।

7. अनुभव का लाभ :–

- राज्य के 12 जिलो में इस योजना में कार्य प्रारम्भ हो चुका था ।
- योजना के अन्तर्गत अन्य जिलो में अनुभव की गई सफल एंव असफल की कहानियॉ दोनो ही विद्यमान रही ।
- अतः यह उचित समझा गया कि खुद ठोकर खाकर सम्भलने की परम्परा को बिसारते हुए योजना में सफलता पूर्वक सम्बल प्रदान करने वाले अजमेर जिले के अधिकारियो को लाभान्वित करवाया जावे ।
- अतः योजना से पूर्व में लाभाविन्त जिले के अनुभवी अधिकारी यथा जिला कलक्टर जालौर के मार्गदर्शन में अजमेर जिले के सभी जिला स्तरीय अधिकारीयो ,उपखण्ड अधिकारीयो, व विकास अधिकारी की एक दिवसीय

कार्यशाला आयोजित कर योजना के सफलता पूर्वक कियान्वयन की जानकारी दी गई ।

8. कार्यक्रम का मेरूदण्ड बना मेट :–

- विकास के विभिन्न योजनाओ तथा प्रति दूसरे वर्ष पडने वाले अकाल व इसके लिए संचालित किये जाने वाले राहत कार्यो को कडवे अनुभवो को ध्यान रखते हुए यह आवश्यक समझा गया कि नरेगा के कार्यो को परम्परा से हटकर , कियान्वयन हेतु अलग रणनीति आवश्यक है ।
- इस रणनीति के तहत रोजगार हेतु नियोजित किये जाने वाले श्रमिको को छोटे छोटे समूहो में विभाजीत किया जाकर उन्हे निर्धारित कार्य सौपना तय किया गया।
- साथ यह भी निशचित किया गया कि कार्यो के कियान्वयन में परम्परागत रूप से पुरूष मेटो के आधिपत्य को खत्म किया जावे तथा कार्यरत् श्रमिको में महिलाओ की अधिकाशं संख्या को देखते हुए महिला मेटो को प्राथमिकता दी जावे ।
- इसी रणनीती के तहत ग्रामवार व पंचायतवार शिक्षित व इच्छुक महिला–पुरूषो को मेट के लिए चयनित किया गया ।
- मेट के सशक्तिकरण करने के लिए यह आवश्यकता थी कि उन्हे कार्यक्रम की पूर्ण जानकारी तथा योजनानतर्गत करवाये जाने वाले कार्यो के विभिन्न पहलुओ से अवगत करा या जावे, तथा कार्यो के माप जोक की बारीकियो का प्रशिक्षण भी दिया जावे ।,
- खण्ड स्तर पर प्रत्येक ग्राम पंचायतवार न्यूनतम दस–दस मेटो का पेनल तैयार कर इन मेटो को दिनांक 16.3.08 से 18.3.08 को विभिन्न बैचो में प्रशिक्षण दिया गया ।

9.खुल गया एम0बी0 का रहस्य :–

- विभिन्न योजनाओ क अन्तर्गत करवाये जाने वाले विकास कार्यो /राहत कार्यो में तकनीकी अधिकारीयो द्धारा करवाये जाने वाले माप व मूल्याकंन आम आदमी व पंचायत राज जन प्रतिनिधियो के लिए अब तक किसी गुढ रहस्य से कम नही था।
- योजनान्तर्गत प्रत्येक श्रमिक को कार्य पूरा करने पर पूरी राशि प्राप्त हो इसके लिए एम0 बी0 के तिलिस्म को तोडना आवश्यक समझा गया । इसके लिए जिला स्तर पर अधिशाषी अभियन्ता (अभि0) द्वारा तैयार किये गये श्रमिको के टास्क प्रपत्र सभी मेटो, विभागो, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उपलब्ध करवाये गये ।
- टास्क प्रपत्र में विभिन्न प्रकार के कार्यो एवं विभिन्न प्रकार की मिट्टी,विभिन्न प्रकार की दूरियों एवं उचाईयों पर मिट्टी ले जाने हेतु श्रमिको के लिये प्रतिदिन

किये जाने वाले न्यूनतम टास्क (कार्य) का विवरण अंकित है जिससे उसे 100 रू. प्राप्त हो सके ।

- जिला स्तर पर जारी ग्रामीण दर अनुसूचि में प्रत्येक कार्य हेतु अकुशल श्रमिक दर को अलग से दर्शाया गया ताकि कोई भी व्यक्ति किसी भी कार्य पर अकुशल श्रमिक का टास्क सरलता से निकाल सके ।
- योजना के क्रियान्वयन के निरीक्षण एवं देखरेख हेतु जिला स्तर पर 29 मार्गदर्शी दलो का एव प्रत्येक ग्राम/ग्राम पंचायत/ब्लाक स्तर पर प्रभारियों का गठन किया गया ।
- उन्हे निर्देश दिये गये कि वे प्रत्येक सप्ताह उनको आवंटित ग्राम पंचायतो में चल रहे कार्यो का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगें ।

10. निगरानी व्यवस्था :–

- किसी भी योजना का सफल क्रियान्वयन योजना के प्रभावी पर्यवेक्षण व निगरानी पर निर्भर करता है ।
- यदि क्रियान्वन अभिकरणो पर ही निरीक्षण का पूर्ण जिम्मा छोड दिया जाये तो पूर्ण पारदर्शिता सम्भव नही है । इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए जिले की 276 ग्राम पंचायतो को 29 समूहो में विभाजित किया जाकर मार्गदर्शी दल गठित किये गये ।
- यह मार्गदर्शी दल न केवल कार्यो का निरीक्षण ही नहीं करेंगे बल्कि कार्य पर नियोजित मेट व श्रमिको को योजना की जानकारी देने का कार्य एंवम उनका मार्गदर्शन भी करेगे ।

11. सफल शुरूआत – एक चुनौती :–

- जिले में योजना के क्रियान्वयन के प्रथम दिन 1.4.08 को 1636 कार्यो पर 103087 श्रमिको का नियोजन अपने आप में एक मील का पत्थर बन गया ।
- यह नियोजन पूरे राज्य भर में सर्वाधिक रहा ।
- योजना के क्रियान्वयन में जुडी हुए जिले की सम्पूर्ण टीम मनोयोग व निष्ठा से कार्यो के सफल क्रियान्वन हेतु बनाई गई योजना 5–5 श्रमिको की रणनीति सबसे सफल होती दृष्टिगत होती प्रतीत रही है ।
- कार्यक्रम का दूसरा पखवाडा और भी अधिक उत्साह प्रदान करने वाला रहा है ।
- दूसरे पखवाडे में प्रगतिरत् कार्यो की संख्या 2103 व नियोजित श्रमिको की संख्या 160000 तक पहुॅच गई है । जिला प्रशासन इसे अपनी उपलब्धि के तौर पर सन्तुष्ट नही है ।
- बल्कि एक चुनौति के रूप में स्वीकार एंव अंगीकार करते हुए योजाना के अन्तर्गत एक नये आयाम स्थापित करने हेतु दृढ संकलपित है तथा योजना का

सफल क्रियान्वयन करने व नये आयाम स्थापित करने के लिए पूर्ण सम्बल के साथ अग्रसर होने के लिए तैयार है ।

————————